

संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं प्राच्य भाषाविभाग

विभाग एवं पं० गङ्गानाथ झा पीठ के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन मङ्गलवार 22-11-2022 को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो० कमल नयन शुक्ल जी रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मङ्गलाचरण एवं विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। वाचिक स्वागत विभाग के अध्यक्ष प्रो० उमाकान्त यादव ने किया। मुख्य वक्ता प्रो० शुक्ल द्वारा 'पर्यावरण की प्राचीन अवधारणा' विषय पर अत्यन्त सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा गया कि मानसिक पर्यावरण- प्रदूषण के निवारण में संस्कृत वाङ्मय में निर्दिष्ट उपाय ही ग्राह्य हैं। वेदों में प्रकृति के कण - कण की देव-बुद्धि से उपासना की गई है।



कार्यक्रम में विभागीय आचार्य प्रो०, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रो० अनिल प्रताप गिरि, सह-आचार्य डॉ० निरुपमा त्रिपाठी, सहायक-आचार्य डॉ० विकास शर्मा, डॉ० रेनु कोछड़ शर्मा, डॉ० आशीष कुमार त्रिपाठी, डॉ० सन्त प्रकाश तिवारी, डॉ० कल्पना कुमारी, डॉ० तेज प्रकाश, डॉ० अनिल कुमार, डॉ० राघवेंद्र मिश्र, डॉ० सतरुद्र प्रकाश, डॉ० प्रचेतस, डॉ० वालखड्गे भूपेन्द्र, डॉ० लेखराम दत्ताना, डॉ० रजनी गोस्वामी, डॉ० संदीप कुमार यादव, डॉ० ललित, डॉ० मीता बनर्जी, डॉ० विमल कुमार शुक्ल, एवं विभागीय छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।



कार्यक्रम का संचालन डॉ० मीनाक्षी जोशी ने किया। अन्त में विभागीय सह-आचार्य डॉ० विनोद कुमार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन शान्ति पाठ के साथ किया गया।

केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से नवाजे जाएंगे प्रो पंडित प्रेम कुमार मल्लिक



इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छाते में प्रो. प्रेम कुमार मल्लिकजी ने एक और सर्वोच्च सम्मान जोड़ा है । 2019केलिए मल्लिक जी को यह सम्मान दिल्ली में राष्ट्रपति द्वारा प्राप्त होगा । मल्लिकजी बिहार के दरभंगा घराना से संबंध रखते हैं उन्होंने अपने पिता पंडित विदुर मल्लिक तथा दादा सुखदेव मल्लिक से संगीत की शिक्षा प्राप्त की है आप ध्रुपद के साथ ही ख्याल दुमरी टप्पा और दादरा भजन ग़ज़ल गायन में भी पारंगत हैं भारत सहित आपने यूरोप मध्य एशिया उत्तरी अमेरिका में भी अपने सफल कार्यक्रम एवं कार्यशाला से इलाहाबाद विश्वविद्यालय को सम्मान दिलवाया है । 2005 में आप प्रसार भारती द्वारा आकाशवाणी दूरदर्शन के टॉप ग्रेड कलाकार बनाए गए थे आपने दरभंगा घराना एवं बंदिशें तथा दरभंगा ट्रेडिशन एंड कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ फोर फॉर्म ऑफ़ इण्डियन क्लासिकल म्यूजिक नामक दो पुस्तकों की भी रचना की आपको बिहार सरकार द्वारा 2015 में बिहार कला पुरस्कार नामक राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ इसके अतिरिक्त ध्रुपद विभूषण तुलसी सम्मान नाद रत्न सम्मान स्वामी हरिदास सम्मान मिथिला रत्न सम्मान एवं 2019 में पद्मभूषण पंडित विश्वमोहन भट्ट संगीत कला निकेतन द्वारा पंडित मनमोहन भट्ट लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान भी प्राप्त हुआ है वर्तमान में आपके शिष्यों की एक बड़ी संख्या है जिसमे डॉ प्रशांत मल्लिक डॉ निशांत मल्लिक डॉ प्रियंका मल्लिक पाण्डेय डॉ नमिता यादव डॉ ज्योति मिश्रा डॉ रंजना त्रिपाठी श्री रवि शंकर मिश्र श्री विशु शंकर मिश्र कल्याणी मुखर्जी डॉ शिव प्रसाद उपाध्याय जर्मनी के पीटर पंके डॉ अनलीज़ा ऐडमी इटली की अमेलिया कूनी संगीत जगत में अच्छा कार्य कर रहे हैं

Centre of Biotechnology

In a Science exhibition organized by Shakun Vidya Niketan Senior Secondary School, Naini, Prof. M.P. Singh, Coordinator, Centre of Biotechnology, was invited as a Chief Guest. He interacted with the students, examined their scientific innovative items and tried to inculcate a scientific attitude and research aptitude.



Centre of Biotechnology

On 11th November 2022, Prof. M.P. Singh, Coordinator, Centre of Biotechnology, delivered an invited talk on 'Mushroom Biotechnology: A Tool of Human Wellness' at Nehru Gram Bharati Deemed University.



A large number of students along with teachers, Pro Vice-Chancellor and Chancellor attended the lecture. Prof. Singh said that according to Indian system of medicine - Ayurveda, "When diet is wrong, medicine is of no use. When diet is correct, medicine is of no use". In this context, mushroom constitutes one of the major resources for nutraceuticals. Mushrooms as a rich source of bioactive compounds can be claimed as "Best from the Waste" since they grow on the most abundant organic wastes of the Earth.